मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# BSKAE–182

## बी. ए. ( ऑनर्स ) संस्कृत

## ( बी. ए. एस. के. एच. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2023

## बी.एस.के.ए.ई.-182 : संस्कृत साहित्य

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *इस प्रश्न-पत्र में कुल* ***छः*** *प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

---

1. निम्नलिखित श्लोकों का अनुवाद कीजिए : 2×6=12

(क) मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्।
आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः॥

**अथवा**

कङ्कणस्य तु लोभेन मग्नः पङ्के सुदुस्तरे।
वृद्धव्याघ्रेण संप्राप्तः पथिकः समृतो यथा॥

(ख) आपदर्थे धनं रक्षेद् दारान् रक्षेद् धनैरपि।

आत्मानं सततं रक्षेद् दारैरपि धनैरपि॥

**अथवा**

दुष्टा भार्या शठं मित्रं भृत्यश्चोत्तरदायकः।

ससर्पे च गृहे वासो मृत्युरेव न संशयः॥

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 2×8=16

(क) प्रत्याख्याने च दाने च सुखदुःखे प्रियाप्रिये।

आत्मौपम्येन पुरुषः प्रमाणमधिगच्छति॥

**अथवा**

यस्य मित्रेण सम्भाषो यस्य मित्रेण संस्थितिः।

यस्य मित्रेण संलापस्ततो नास्तीह पुण्यवान्॥

(ख) आतुरे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसंकटे।

राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः॥

**अथवा**

लोकयात्रा भयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता।

पञ्च यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात् तत्र संस्थितिम्॥

3. वृद्ध-व्याघ्र और लोभी-पथिक की कथा अपने शब्दों में लिखिए। 20

**अथवा**

चाणक्य नीति के अनुसार 'त्यागने योग्य और अविश्वसनीय मित्र' के क्या लक्षण होते हैं ?

4. प्रश्न संख्या 1 में रेखांकित किन्हीं **छः** शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 6×2=12

5. नीति कथाओं के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 20

**अथवा**

आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये : 10×2=20

(क) हितोपदेश

(ख) चाणक्य नीति

(ग) अम्बिकादत्त व्यास

(घ) बाणभट्ट